epaper
हिन्दुस्तान

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी: राजनाथ

नई दिल्ली में गुरुवार को नौसेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। बैठक में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट भी मौजूद रहे। • प्रेट्र

29/04/2022

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित नौसेना के एक कार्यक्रम में कहा कि यूक्रेन युद्ध से ये तय हो गया है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी है। किसी पर भी निर्भरता से काम नहीं चलेगा। नौसेना को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाते हुए समुद्री व्यापार, सुरक्षा और राष्ट्रीय समृद्धि में योगदान देना चाहिए।

नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन के दौरान राजनाथ सिंह ने विश्व में मौजूदा सुरक्षा माहौल का हवाला देते हुए कहा कि हाल ही में घटी कई घटनाओं ने हमें सबक दिया है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा।

राजनाथ ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि नौसेना ने सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत पूंजीगत बजट का 64 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योगों से खरीद में ही लगाया है। मौजूद वित्त वर्ष में नौसेना के आधुनिकीकरण पर खर्च हो रही राशि का 70 प्रतिशत भी स्वदेशी उपकरणों की खरीद में खर्च किया जा रहा है।

घरेलू शिपयार्ड में बन रहे पोत और पनडुब्बी : राजनाथ ने कहा कि नौसेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए इस समय देश में 41 पनडुब्बी और पोत पर काम चल रहा है। खुश की बात ये है कि इन सभी का निर्माण घरेलू शिपयार्डों में ही किया जा रहा है। समुद्री सुरक्षा पर कार्य जारी रहेंगे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि तीनों सेनाओं की सैन्य कमानों का पुनर्गठन की भी बात कही।

रक्षामंत्री ने कहा, किसी पर निर्भरता से काम नहीं चलेगा

आईएनएस विक्रांत महत्वपूर्ण पड़ाव

रक्षा मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के प्रयासो में रक्षा क्षेत्र में आईएनएस विक्रांत एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस पोत ने तीन समुद्री परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसका लोकार्पण देश की आजादी के 75वें वर्ष में किया जाए।

तीनों सेनाओं के बीच तालमेल जरूरी

राजनाथ सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बेहद जरूरी है। पदाधिकारियों से अनुरोध है कि अपना ध्यान भविष्य को लेकर क्षमता विकास पर रखें ताकि समुद्री क्षेत्र में तालमेल बढ़े।